

प्रेषक,

हरिश्चन्द्र जोशी,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

निदेशक,  
विद्यालयी शिक्षा,  
उत्तराखण्ड देहरादून ।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-2 देहरादून दिनांक 30 नवम्बर, 2007

विषय: प्रदेश के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों/शासन द्वारा सहायता प्राप्त अशासकीय विद्यालयों/ राजकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालयों/ राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को अधिवर्षता आयु प्राप्त करने के उपरान्त शैक्षणिक सत्र के अन्त तक पुनर्नियुक्ति प्रदान किया जाना।

महोदय,

मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासन ने सम्यक विचारोपरान्त शिक्षण कार्य को सुचारु रूप से सम्पादित करने के लिए शैक्षणिक सत्र के मध्य में अधिवर्षता आयु प्राप्त कर सेवा निवृत्त होने वाले राज्य के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों, शासन द्वारा सहायता प्राप्त अशासकीय विद्यालयों, राजकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालयों एवं राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को सेवानिवृत्ति के उपरान्त उसी शैक्षणिक सत्र के अंतिम कार्यदिवस तक पुनर्नियुक्त किये जाने का निर्णय लिया है।

2- उक्त पुनर्नियुक्ति निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी:-

- (क) प्रस्ताव में वर्णित शिक्षक का आशय शिक्षक/शिक्षिकाएँ, प्रधानाध्यापक/प्रधानाध्यापिका एवं प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्या से है।
- (ख) शैक्षणिक सत्र की अवधि प्रतिवर्ष 01 अप्रैल से प्रारम्भ होकर अगले वर्ष 31 मार्च तक होगी।
- (ग) अधिवर्षता आयु प्राप्त कर सेवा निवृत्त होने की तिथि का निर्धारण वित्तीय हस्त पुस्तिका खण्ड-2, भाग-2 से 4 के मूल नियम 56 (क) के अनुसार किया जायेगा।




- (घ) शैक्षणिक हित में जिन शिक्षकों को शैक्षणिक सत्र के अन्त तक पुनर्नियुक्ति प्रदान की जानी हो उनके लिए आवश्यक है कि उनका आचरण सन्तोषजनक हो तथा वे मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ हों तथा वे किसी विषय को नियमित रूप से पढ़ाते हों।
- (ङ) पुनर्नियुक्ति हेतु शैक्षणिक सत्र के मध्य अधिवर्षता आयु प्राप्त कर सेवानिवृत्त होने वाले राजकीय शिक्षकों को अपनी सेवा निवृत्ति की तिथि से छः माह पूर्व पुनर्नियुक्ति हेतु लिखित आवेदन/सहमति यथास्थिति अपने प्रधानाध्यापक/प्रधानाचार्य के माध्यम से अपने कार्यालयाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष को प्रस्तुत करना होगा, तदुपरान्त नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा सन्तुष्ट होने पर पुनर्नियुक्ति प्रदान की जा सकती है।
- (च) शासन द्वारा सहायता प्राप्त अशासकीय विद्यालयों में पुनर्नियुक्ति हेतु शैक्षणिक सत्र के मध्य अधिवर्षता आयु प्राप्त कर सेवा निवृत्त होने वाले शिक्षकों को अपनी सेवा निवृत्ति की तिथि से छः माह पूर्व पुनर्नियुक्ति हेतु लिखित आवेदन/सहमति अपने विद्यालय की प्रबन्ध समिति को देना होगा, प्रबन्ध समिति, शिक्षा विभाग के संबंधित सक्षम अधिकारी से अनुमोदन प्राप्त कर पुनर्नियुक्ति प्रदान कर सकती है। शासन द्वारा सहायता प्राप्त अशासकीय विद्यालयों के संबंध में यह भी स्पष्ट किया जाता है कि चूंकि शैक्षिक सत्र वर्ष 2007-08 के समाप्त होने में मात्र चार माह शेष रह गये हैं, इसलिए इस शैक्षिक सत्र के लिए छः माह पूर्व पुनर्नियुक्ति हेतु लिखित आवेदन/सहमति की शर्त लागू नहीं होगी। केवल शैक्षणिक सत्र वर्ष 2007-08 हेतु दिनांक 1-7-2007 के पश्चात से इस शासनादेश के निर्गत होने की तिथि के मध्य अधिवर्षता आयु पूर्ण करने वाले शिक्षक, प्रधानाध्यापक एवं प्रधानाचार्य जो अपने सक्षम प्राधिकारी की अनुमति से शैक्षिक सत्र के अन्त तक सेवा विस्तार की प्रत्याशा में अपने पद पर कार्यरत हैं वर्ष 2007-08 के शैक्षणिक सत्र के लिए पुनर्नियुक्ति हेतु अपना लिखित आवेदन/सहमति दे सकते हैं।

- (छ) पुनर्नियुक्त किये गये शिक्षकों को उनकी अधिवर्षता आयु के बाद सिविल सर्विस रेग्युलेशन के प्रस्तर-520 के अधीन वेतन में से राशिकरण के पूर्व अनुमन्य पेंशन की धनराशि घटाकर वेतन का निर्धारण किया जायेगा तथा मंहगाई भत्ता उनके विकल्प के अनुसार पेंशन अथवा इस पद के वेतन, किसी एक पर ही अनुमन्य होगा।
- (ज) उक्त पुनर्नियुक्ति इस शर्त के अधीन भी होगी कि जिन विद्यालयों में शैक्षणिक पदधारकों की आवश्यकता हो, उन्हीं शिक्षकों को पुनर्नियुक्ति दी जायेगी और यदि पर्याप्त मात्रा में सन्दर्भगत विषय के शिक्षक हैं तो उस स्थिति में यदि उपस्थित छात्रों की संख्या कम है तो उस स्थिति में उपलब्ध शिक्षकों से समायोजन के द्वारा ही कार्य चलाया जायेगा तथा पुनर्नियुक्ति का प्रस्ताव नहीं किया जायेगा। पुनर्नियुक्ति के प्रस्ताव के साथ उक्त आशय की सूचनाएँ एवं प्रमाण-पत्र कि कितने शिक्षक हैं, किस विषय के हैं, उक्त विषय में कितने छात्र पंजीकृत हैं तथा कितने छात्र नियमित रूप से उपस्थित होते हैं, सम्बन्धित अधिकारी द्वारा सक्षम स्तर के अधिकारी को समय से उपलब्ध करायी जायेगी।
- (झ) राज्य के राजकीय विद्यालयों में कार्यरत जो शिक्षक शिक्षा अनुभाग-2 उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 07/XXIV-2/2006 दिनांक 28 जनवरी 2006, संख्या 87/XXIV-2/2006 दिनांक 21 मार्च 2006 एवं संख्या 308/XXIV-2/2006 दिनांक 25 अगस्त 2006 में वर्णित प्रावधानों के अन्तर्गत पुनर्नियुक्ति पर हैं अथवा इस शासनादेश के निर्गत होने के पूर्व अधिवर्षता आयु प्राप्त कर चुके हैं एवं पुनर्नियुक्ति के प्रस्ताव विभाग अथवा शासन स्तर पर लम्बित हैं, की पुनर्नियुक्ति संबंधी प्रकरण अब एतद्द्वारा संशोधित की जा रही व्यवस्था के अधीन होगी। इस शासनादेश के निर्गत होने की तिथि से इस प्रस्तर में उल्लिखित पूर्व निर्गत, राजकीय विद्यालयों के पुनर्नियुक्ति संबंधी समस्त शासनादेश तात्कालिक प्रभाव से निरस्त समझे जायेंगे।



- (ज) राज्य के सहायता प्राप्त अशासकीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को शिक्षा अनुभाग-2 उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 228/XXIV-2/2007 दिनांक 23 मई 2007 द्वारा शैक्षणिक सत्र 2006-07 के सापेक्ष दिनांक 30 जून 2007 तक के लिए सत्रांत लाभ सेवा विस्तार के रूप में की गयी व्यवस्था थी, अब लिए गये नीतिगत निर्णय के कंम में उक्त व्यवस्था तात्कालिक प्रभाव से निरस्त समझी जायेगी। अतः शैक्षणिक सत्र 2007-08 में शासन द्वारा सहायता प्राप्त अशासकीय विद्यालयों में कार्यरत उन्हीं शिक्षकों को पुनर्नियुक्ति प्रदान की जायेगी जो दिनांक 01 जुलाई 2007 के पश्चात से दिनांक 31 मार्च 2008 के मध्य अपनी अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो रहे हों।
- (ट) पुनर्नियुक्ति की उक्त व्यवस्था के अन्तर्गत यह आवश्यक होगा कि शिक्षक के अधिवर्षता आयु पूर्ण किये जाने के पूर्व ही केवल शैक्षिक सत्र 2007-08 (जो कि अब प्रचलित है) को छोड़ते हुए समस्त औपचारिकताएँ पूर्ण करके पुनर्नियुक्ति के आदेश सक्षम अधिकारी की अनुमति प्राप्त करके निर्गत कर दिए जायें। यदि उक्तानुसार आवश्यक आदेश अधिवर्षता की तिथि के पूर्व निर्गत हुए बिना ही कोई पदधारक अनौपचारिक रूप से कार्य करता है तो उसको पुनर्नियुक्ति मानते हुए उसके वेतन भत्ता आदि के भुगतान का दायित्व सरकार का नहीं होगा।
- 3- उक्त आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 302/XXVII(7)/2007 दिनांक 30 नवम्बर, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय

  
(हरिश्चन्द्र जोशी)  
सचिव।

संख्या- 694 /XXIV-2/2007 तद दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- मण्डलीय अपर/संयुक्त शिक्षा निदेशक गढ़वाल मण्डल पौड़ी/ कुमायूँ मण्डल नैनीताल।
- 3- अपर निदेशक एस0सी0ई0आर0टी0 नरेन्द्रनगर टिहरी।
- 4- सचिव विद्यालयी शिक्षा एवं परीक्षा परिषद उत्तराखण्ड रागनगर नैनीताल।
- 5- समस्त कोषाधिकारी उत्तराखण्ड, द्वारा निदेशक विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड।
- 6- समस्त जिला शिक्षा अधिकारी उत्तराखण्ड, द्वारा निदेशक विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड।
- 7- समस्त अपर जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक/बेसिक उत्तराखण्ड, द्वारा निदेशक विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड।
- 8- वित्त (वे0आ0-सा0नि0) अनुभाग-7 उत्तराखण्ड शारान।
- 9- वरिष्ठ तकनीकी निदेशक, एन0आई0सी0 देहरादून।
- 10- कार्यालय गार्ड पत्रावली।

आज्ञा से

(पी0एल0शाह)  
उप सचिव।